>

Title: Need to shift the focus of development to rural areas in the country.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): महोदय, आज ग्रामीण क्षेत्रों से बहुत बड़ी संख्या में वहां का मजदूर और युवा शहरी चकाचौंध से प्रभावित होकर तेजी से शहरों की ओर बढ़ रहा है। हम उसका परिणाम यह देखते हैं कि हर शहर में, चाहे वह दिल्ली हो, मुंबई हो, बंगलौर हो, चेन्नई हो उन शहरों में कई गांव बस जाते हैं। सैंकड़ों, हजारों की संख्या में गांवों से जाने वाले लोग एक-साथ संगठित होकर वहां पर रहने लगते हैं, जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर बोझ भी बढ़ रहा है। देश में पिछले एक दशक में गांव की तुलना में शहरी आबादी ढ़ाई गुना से भी अधिक तेजी से बढ़ी है। पिछले दशक में देश की जनसंख्या में 17.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि गांव में 12.18 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 31.80 प्रतिशत की रही है। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण गांव के गांव सूने हो रहे हैं। लोग पलायन कर शहरों पर दबाव बनाये हुए हैं। यह स्थिति देश के लिए सुखद नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्राकृतिक संतुलन के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। आज भी देश का 40 प्रतिशत क्षेत्र ही सिंचित हो पाया है। 47 प्रतिशत गांव नजदीकी बैंक शाखा से 5 किलोमीटर दूर हैं। 78 प्रतिशत गांव में आज भी पोस्ट ऑफिस नहीं हैं। अभी भी हमारे गांव में मिडिल कक्षा पढ़ने के बाद वहां की छात्राओं को हायर सेकेन्डरी और हाई स्कूल पढ़ने के लिए दस-दस किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। जिसके कारण बहुत बड़ी संख्या में छात्राएं शिक्षा से वंचित हो रही हैं। पुलिस थानों की दूरियां गांव में बहुत ज्यादा रहती है। अगर कोई घटना घटित हो जाती है, कोई लूट होती है, डकैती होती है, हत्या होती है तो वह घटना तो शाम को, रात्रि में होती है, लेकिन पुलिस वहां पर सुबह पहुंच पाती है। आज भी अनेकों गांव ऐसे हैं, जहां पर पानी के लिए मीलों दूर जाना पड़ता है। आज गांव को बचाना सरकार के लिए एक गम्भीर चुनौती है। वीरान हो रहे गांवों में बनियादी सुविधाएं बहाल कर शहरी बोझ को कम करने की जरूरत है।

अतः मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध है कि गांवों में सड़क, शिक्षा, रोजगार, अस्पताल, सिंचाई, पेयजल, बिजली, पुलिस थाना, जैसी सुविधाओं को ईमानदारी से बढ़ाया जाये ताकि ग्रामीण अपने ही क्षेत्रों में रहकर न केवल अपना विकास कर सकें, बल्कि गांव भी बचें और खेती भी बच सके।